



19

२४५ वाल्य रैवेन्यु बौद्ध गवाल्यि र म०३०

ਪੁਕਾਰਣਾ ਕੁੰ | ੩੦੦੬ ਨਿਗਰਾਨੀ - ।੩੭੬-ੱਤੱ|੦੯

ਸ੍ਰੀ ਕੌਰੀ-ਚੰਦੇ-ਕੁਲਾਭ

१०७

ਪੁਸ਼ਟਾ ਲ ਪਿਤਾ ਪਾਂਗੀ ਲ ਬਾਗ ਰੀ
ਨਿਵਾਸੀ ਗ੍ਰਾ ਮ ਗੈਰੰਧਨ ਪੁਰਾ ਤੇਹੋ ਸੁਖ ਆਸੁਰਾ
ਜਿਲਾ ਫੁਦਸਾ ਰੂ ---- ਨਿਗਰਾਨੀ ਕੱਈ

ੴ ਕਿਰਾਤ

नुंदा पिता उदा जाति बागरी निवासी
ग्रा प गौविधन्मुरा तैह० मुक्ताखरा जिला फळसीर
--- विपद्धी

निगरानी अन्तर्गत धारा ५० प्र०प०म०२० से
 १९५६ के विरुद्ध आदेश दिन २८-७-०६ प्रकाश्य
 कर्ने ४५५। २००५-०६ अपील न्यायालय अपर असूतरा
 फौदर्य उज्जैन संसाग उज्जैन के आदेश से अस्तुष्ट
 होकर पह निगरानी अद्वार अवधि प्रस्तुत है।

मानवीय कृदिय,

कारा नीर्क्ति की और से निष्टलिखित किंगड़ानी

प्रस्तुत है :-

: १० पह कि अधिनस्थ न्यायालय का आदेश विधी व विधान के विळद्ध होने से निरस्त किये जाने योग्य है।

२: पह तिक ग्राम गोवर्धनसुरा तेह० सुवासरा जिला फ़क्सीटर
स्थित सर्वे नं० ४३।१ रक्खा ६-०४५ बारे, सर्वे नं० ४३।४ रक्खा
२-६० ह० उत्तर पूर्व कुंडला^१ के पति धूराजी के नाम पर थी, धूराजी
की मृत्यु के उपर्युक्त उक्त पूर्व कुंडला^१ के नाम पर राज्ञव शिकाह० मे
दजी हुइ व कुंडला^१ के आधिपत्य मै आइ०। कुंडला^१ ने गोद पत्र व

(196)

(155)

न्यायालय राजस्व मण्डल, म0 प्र0, गवालियर

अनुबृति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक- निगरानी-1376/एक/2009

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
30-8-19	<p>आवेदक व आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। प्रकरण का अवलोकन किया गया। आदेश पंजिकाओं के अवलोकन से स्पष्ट है कि आवेदक दिनांक 23/03/2010 से लगातार अनुपस्थित है। जिससे प्रतीत होता है कि आवेदक को प्रकरण को चलाये रखने में कोई रुचि नहीं है। अतः यह प्रकरण आवेदक की अरुचि में इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है।</p> <p>(महेश चन्द्र चौधरी) सदस्य</p>	